आकाशवाणी के वाणिज्यिक केन्द्रों पर केन्द्र निदेशकों की नियुक्ति

9882. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने यह आश्वासन दिया है कि आकाशवाणी के वाणिज्यिक केन्द्रों पर केन्द्र निदेशकों की आवश्यकता बारे में नये सिरे से विचार किया जाये;

(ख) यदि हां, तो क्या वित्त मंत्रालय की समिति ने इस बारे में इस बीच विचार किया है; और यदि हां, तो उसकी क्या सिफारिशें हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन केन्द्रों पर केन्द्र निदेशकों की नियुक्ति कर उनकी क्षतिपूर्ति का हनन किया जा रहा है; और

(घ) क्या सरकार इस बारे में शीघ्र निर्णय लेगी ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) से (घ). सूचना और प्रसारण मंत्रालय से सम्बद्ध संसद सदस्यों की सलाहकार समिति की 16 दिसम्बर, 1977 को हुई बैठक में इस बात पर सहमति हुई थी कि आकाशवाणी के वाणिज्यिक प्रसारण केन्द्रों पर केन्द्र निदेशकों की तैनाती के औचित्य के बारे में नए सिरे से देखा जाए । तदनुसार, वित्त मंत्रालय की कर्मचारी निरीक्षण यूनिट से आकाशवाणी के वाणिज्यिक केन्द्रों का पुनर्विलोकन करने के लिए कहा गया था । तथापि, उन्होंने पुनर्विलोकन करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की और यह सलाह दी कि इस कार्य को इस मंत्रालय की आंतरिक कार्य अध्ययन यूनिट को ही सौंप दिया जाए । इस मंत्रालय की आंतरिक कार्य अध्ययन यूनिट ने अध्ययन का काम हाथ में ले लिया है और उसके निष्कर्षों की प्रतीक्षा है । मामले में अगली कार्रवाई अध्ययन की रिपोर्ट मिलने पर की जाएगी ।

Losses in CSIO, Chandigarh

9823. SHRIMATI BIBHA GHOSH GOSWAMI: Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) how much property of CSIO Chandigarh is missing by way of thefts, shortages, losses, mis-appropriation and fraud;

(b) how much of it is missing for the last two years and the value of the total loss suffered by CSIO;

(c) whether the above losses, if any, have come to light in the course of physical verification of otherwise and when did the last physical verification take place;

(d) whether all the cases of thefts have been reported to the police or CBI for investigation, if not, the reasons therefor; and

(e) whether any action has been taken against the persons found guilty and what steps have been taken to stop the recurrence of such losses in future?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) Property of the total value of Rs. 43,029.04 since inception.

(b) Property valued at Rs. 12,541.10 since 1976.

(c) Losses came to notice as a result of verification done during handing over and taking over of stores and otherwise. The last physical verification was done in 1975.

(d) Cases of suspected thefts were reported to the Police. In cases of shortages, investigations were conducted through Departmental Enquiry Committees constituted by the Director, CSIO.